>

Title : Need to include six districts of Santhal Pargana in Jharkhand under Integrated Action Plan for Left Wing Extremism (LWE) affected areas for the all-round development of the region.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): आपके माध्यम से मैं भारत सरकार का ध्यान झारखंड स्थित संथाल परगना में अवस्थित छह जिलों को इंटिग्रेटेड एक्शन प्लान (आई.ए.पी.) में जोड़ने का अनुरोध करता हूं। क्योंकि ये जिले नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हुए हैं और 75औ से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करती हैं तथा यह शिडयूल -V जिले हैं जो आदिवासी प्रभावित हैं तथा भारत सरकार के अनुसार सामाजिक, आर्थिक तौर पर पिछड़े बीआरजीएफ जिले के अंतर्गत है। कोयला प्रचुर मात्रा में है परन्तु कोई बिजली उत्पादन केन्द्र नहीं है। एनटीपीसी और कोल इंडिया संसाधनों का इस्तेमाल करती है। परन्तु सीएसआर में कोई भी पैसा इनवेस्ट नहीं होता। लोग भूख, गरीबी, पानी, शिक्षा, चिकित्सा अभाव में रहने को मजबूर हैं। क्षेत्रीय असंतुलन के कारण लोग पलायन व आत्महत्या को मजबूर हैं। अतः इन जिलों में निम्न विकास कार्य एवं योजनाएं लागू की जायें -

1. संथाल परगना में स्थित छह जिलों को आई.ए.पी. में शामिल किया जाये।

2. एनटीपीसी और कोल इंडिया, 5 प्रतिशत सीएसआर में खर्च करे।

3. हंसदीहा में मॉडर्न फैसिलिटी हॉस्पिटल बने।

4. शिक्षा का विशेष कॉलेज हो।

5. पीने के पानी की व्यवस्था हो।

6. देवघर में हवाई अड्डा देवघर में बने।

7. पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार की व्यवस्था की जाये।